केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

एकलव्य परिसर

अगरतला

सूचना:- 62

दिनांक - 16.08.2023

एकलव्य परिसर के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि परिसर में दिनांक – 27.08.2023 से 02.09.2023 तक **संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम** सुनिश्चित है। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इच्छुक छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतियोगिताओं का विवरण संलग्न है। पंजीकरण गूगल फार्म द्वारा किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए **डॉ. पलाश साँतरा** से संपर्क करें। मोबाइल नं. – 8777854485

पंजीकरण का अन्तिम दिनांक – 19.08.2023 समय – सायं 5:00 तक

गूगल फार्म लिंक - https://forms.gle/MfX5qkqgReeVxsN59

P. K. Mahanta

निदेशक I/c

निदेशक / Director

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय / Central Sanskrit University

एकलव्य परिसर, अगरतला / Ekalavya Campus, Agartala

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

एकलव्यपरिसरः, लेम्बुचेरा, अगरतला, त्रिपुरा

सूचना संख्या :- 61

कनिष्ठस्तरे – कक्ष्याः - प्राक्शास्त्री द्वितीयवर्षम्, शास्त्री प्रथमद्वितीयवर्षे ।

१. संस्कृतभाषणम् – संस्कृतस्य संस्कृतेश्च महत्त्वमुपादेयता च

२. संस्कृतगीतगायनम् – स्वाभीष्टं संस्कृतगीतं गातुं शक्नुवन्ति ।

३. काव्यकण्ठपाठः – कुमारसम्भवमहाकाव्यस्य प्रथमसर्गस्य 1-30 पर्यन्तं श्लोकाः ।

वरिष्ठस्तरे – कक्ष्याः – शास्त्री तृतीयवर्षम्, आचार्यप्रथमद्वितीयवर्षे, शिक्षाशास्त्रिप्रथमद्वितीयवर्षे।

१. संस्कृतभाषणम् – अस्माकं जीवने संस्कृतस्य प्रभावः अथवा संस्कृते उद्योगावसराः

२. संस्कृतगीतगायनम् – स्वाभीष्टं संस्कृतगीतं गातुं शक्नुवन्ति ।

३. काव्यकण्ठपाठः – मेघदूतम् इति खण्डकाव्यस्य पूर्वमेघस्य सम्पूर्णश्लोकाः ।

४. रसप्रश्नाः (उभयोः स्तरयोः) - (NET-73 Code पाठ्यक्रमसम्बद्धाः प्रश्नाः) ।

५. एकलपात्राभिनयः – संस्कृतस्य महत्त्वम्, स्त्री-शिक्षा, भ्रूणहननम्, आधुनिकविषयाः इत्यादयः ।

* कनिष्ठ तथा वरिष्ठ उभय स्तर के लिए सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता समान होगी ।

For more information Contact –

Dr. Jitendra Tiwari – 7005746524
Dr. Palash Santra – 8777854485
Dr. Prakasha Ranjan Mishra – 9724228498
Shri. Subrahmanya Bhat – 8618355604

B.K. Senapati

Director

(9th to 12th class students are allowed to participate in this competition.)

sl	Name of the Competition	Participants	Subject
1	**श्रीमद्-भगवद्गीता कण्ठ पाठ**	1	Bhagavad-Gita 15th Chapter
2	**भाषण** (Speech)	1	About Sanskrit in Sanskrit, Hindi, English, Bengali
3	**रस प्रश्न** (Quiz)	2	GK, Current Affairs, Bhagavad-Gita, Ramayana, Mahabharat, Tripura's culture
4	**संस्कृत गीत गायन** (Singing) [Single]	1	Bhajans, Traditional & Folksongs
5	**सामूहिक नृत्य** [Group Dance]	4	Traditional & Folk dance
6	**एकल पात्र अभिनय** (One Character Act)	1	**एक भारत श्रेष्ठ भारत**

- **These competitions will be held on August 28th, 2023 at CSU Ekalavya Campus, Lembucherra, West Tripura**
- एकलव्य परिसर के **प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष-2023-24** के छात्र-छात्राएं उपरोक्त स्पर्धाओं में भाग ग्रहण करेंगे।

S.K. Senapati

Director

प्रतियोगिता के सामान्य नियम –

- आयोजित स्पर्धाओं में एक विद्यालय से अधिकतम दस छात्र-छात्राएं ही भाग ग्रहण कर सकते हैं।
- एकलव्य परिसर द्वारा छात्रों के यातायात हेतु कोई व्यय नहीं दिया जाएगा।
- छात्रों के साथ विद्यालय से एक शिक्षक या शिक्षिका का आना अनिवार्य है।
- विद्यालय से छात्र-छात्राएं अपने परिचय-पत्र (ID Card) के साथ ही आएं।
- सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिओं को प्रथम/द्वितीय/तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

श्रीमद्भगवद्गीता कण्ठ पाठ –

- शुद्ध उच्चारण के साथ श्रीमद्भगवद्गीता-**15वें अध्याय** के सम्पूर्ण श्लोकों का कण्ठपाठ।
- एक विद्यालय से 1 ही प्रतिभागी भाग ग्रहण कर सकता है।

भाषण (विषय) - (संस्कृत का महत्त्व)

- भाषण के लिए 5 मिनट का समय दिया जाएगा।
- संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी एवं बांग्ला भाषा में प्रस्तुति दे सकते हैं।
- एक विद्यालय से 1 ही प्रतिभागी भाग ग्रहण कर सकता है।

रस प्रश्न -

- एक विद्यालय से 2 प्रतिभागी ही भाग ग्रहण कर सकते हैं।

संस्कृत गीत गायन –

- प्रतिभाग हेतु केवल संस्कृत गीत का ही चयन करना है।
- एक विद्यालय से 1 प्रतिभागी ही भाग ग्रहण कर सकता है।
- वाद्य-यन्त्र (Music Instrument) परिसर द्वारा देय नहीं होगा।

सामूहिक नृत्य –

- संस्कृतिक, पारम्परिक एवं लोक नृत्यों का प्रदर्शन करना है।
- नृत्य प्रदर्शन हेतु छात्र-छात्राओं को परिधान (Costume) स्वयं लेकर आना होगा।

एकल पात्र अभिनय – विषय – (एक भारत श्रेष्ठ भारत)

- अभिनय प्रदर्शन के लिए 5 मिनट का समय दिया जाएगा।
- छात्र-छात्राएं संस्कृत/हिन्दी/बांग्ला/अंग्रेजी भाषा में अभिनय प्रस्तुत कर सकते हैं।

For more information Contact –

Dr. Jitendra Tiwari – 7005746524
Dr. Palash Santra – 8777854485
Dr. Prakasha Ranjan Mishra – 9724228498
Shri. Subrahmanya Bhat – 8618355604

S.K. Senapati

Director

निदेशक/Director
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय/Central Sanskrit. University
एकलव्य परिसर, अगरतला/Ekalavya Campus, Agartala

श्रीमद्भगवद्गीता

पञ्चदशः अध्यायः – पुरुषोत्तमयोगः

श्रीभगवानुवाच

ऊर्ध्वमूलमधःशाखमश्वत्थं प्राहुरव्ययम् ।
छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित् ॥ १ ॥
अधश्चोर्ध्वं प्रसृतास्तस्य शाखा गुणप्रवृद्धा विषयप्रवालाः ।
अधश्च मूलान्यनुसन्ततानि कर्मानुबन्धीनि मनुष्यलोके ॥ २ ॥
न रूपमस्येह तथोपलभ्यते नान्तो न चादिर्न च सम्प्रतिष्ठा ।
अश्वत्थमेनं सुविरूढमूलमसङ्गशस्त्रेण दृढेन छित्त्वा ॥ ३ ॥
ततः पदं तत्परिमार्गितव्यं यस्मिन्गता न निवर्तन्ति भूयः ।
तमेव चाद्यं पुरुषं प्रपद्ये यतः प्रवृत्तिः प्रसृता पुराणी ॥ ४ ॥
निर्मानमोहा जितसङ्गदोषा अध्यात्मनित्या विनिवृत्तकामाः ।
द्वन्द्वैर्विमुक्ताः सुखदुःखसंज्ञैर्गच्छन्त्यमूढाः पदमव्ययं तत् ॥ ५ ॥
न तद्भासयते सूर्यो न शशाङ्को न पावकः ।
यद्गत्वा न निवर्तन्ते तद्धाम परमं मम ॥ ६ ॥
ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः ।
मनःषष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ॥ ७ ॥
शरीरं यदवाप्नोति यच्चाप्युत्क्रामतीश्वरः ।
गृहीत्वैतानि संयाति वायुर्गन्धानिवाशयात् ॥ ८ ॥
श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च ।
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ॥ ९ ॥
उत्क्रामन्तं स्थितं वापि भुञ्जानं वा गुणान्वितम् ।
विमूढा नानुपश्यन्ति पश्यन्ति ज्ञानचक्षुषः ॥ १० ॥

यतन्तो योगिनश्चैनं पश्यन्त्यात्मन्यवस्थितम्।
यतन्तोऽप्यकृतात्मानो नैनं पश्यन्त्यचेतसः ॥ ११ ॥
यदादित्यगतं तेजो जगद्भासयतेऽखिलम्।
यच्चन्द्रमसि यच्चाग्नौ तत्तेजो विद्धि मामकम् ॥ १२ ॥
गामाविश्य च भूतानि धारयाम्यहमोजसा।
पुष्णामि चौषधीः सर्वाः सोमो भूत्वा रसात्मकः ॥ १३ ॥
अहं वैश्वानरो भूत्वा प्राणिनां देहमाश्रितः।
प्राणापानसमायुक्तः पचाम्यन्नं चतुर्विधम् ॥ १४ ॥
सर्वस्य चाहं हृदि संनिविष्टो मत्तः स्मृतिर्ज्ञानमपोहनं च।
वेदैश्च सर्वैरहमेव वेद्यो वेदान्तकृद्वेदविदेव चाहम् ॥ १५ ॥
द्वाविमौ पुरुषौ लोके क्षरश्चाक्षर एव च।
क्षरः सर्वाणि भूतानि कूटस्थोऽक्षर उच्यते ॥ १६ ॥
उत्तमः पुरुषस्त्वन्यः परमात्मेत्युदाहृतः।
यो लोकत्रयमाविश्य बिभर्त्यव्यय ईश्वरः ॥ १७ ॥
यस्मात्क्षरमतीतोऽहमक्षरादपि चोत्तमः।
अतोऽस्मि लोके वेदे च प्रथितः पुरुषोत्तमः ॥ १८ ॥
यो मामेवमसंमूढो जानाति पुरुषोत्तमम्।
स सर्वविद्भजति मां सर्वभावेन भारत ॥ १९ ॥
इति गुह्यतमं शास्त्रमिदमुक्तं मयानघ।
एतद्बुद्ध्वा बुद्धिमान्स्यात्कृतकृत्यश्च भारत ॥ २० ॥

ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे पुरुषोत्तमयोगो नाम पञ्चदशोऽध्यायः ॥